

0322



٢١٦٤٠٨

مفتاح اجنحه الرغاب في معرفة الشرائع والحساب
 للرسموكي، احمد بن سليمان ١١٣٣ هـ
 في القرن الثاني عشر الهجري تقديره .

م

١٦٦ ق ٣٠ س ٢٢٨٨ اسم
 نسخه جيده، ضمن مجموع (ق ١٦٠ - ١٦٦) خطها مغربي
 مقروء، بآخرها فائدة .

٥٢٨٧ م

الاعلام ط ١ : ١٣٣ الخزانة العامة بالرباط
 ق ٢ ج ١ : ٣١٩
 ١ - الشرائع الفقه الاسلامي و اصوله
 ٢ - الحساب المؤلف ب تاريخ
 شرح اجنحه الرغاب للرسموكي

٢١٦٤٠٨

حليه الجواهر المكنونه في صف الشرائع المسنونه
 كلامها للرسموكي، احمد بن سليمان ١١٣٣ هـ
 كتبت سنة ١٢٦٦ هـ .

م

٥٠ ق ٣٠ س ٢٢٨٨ اسم
 نسخه جيده، ضمن مجموع (ق ١٧٠ - ١٧٧) خطها مغربي
 مقروء، بآخرها فائدة .

٥٢٨٧ م

الاعلام ط ١ : ١٣٣ الخزانة العامة بالرباط
 ٢٧٩ : ١
 ١ - الشرائع الفقه الاسلامي و اصوله .
 ٢ - المؤلف ب تاريخ النسخ ج - شرح
 مختصر على نظم الرسموكي .

ما اتصل عليه هذا الجواب
 7 لوله كتاب السكاليه والكتاب
 9 ثم كتاب حلية الجوامع المكتونه في صدي
 الي انظر لظنونه غير مخرج

30

2

ولما التفت الى هذه واعلم اني لما كتبت هذه الكتب
 لم يصبني من مرض عظيم عظيم
 علمه الله على العلم حليل وموالتهم للمكر ما كان تبييل
 وعلمه الله في هذا من قوله نصف لوليت الله وسو جملة
 لولا العتمة وعلمه الله في هذا من قوله في العلم التورم والتفصيل
 ما نظر لبقية ما كان في هذا من قوله في العلم التورم والتفصيل
 في يوم فدا انظر من يصفه في ايها الجوامع المكتونه في صدي

1	1
2	2
3	3
4	4
5	5
6	6
7	7
8	8
9	9
10	10
11	11
12	12
13	13
14	14
15	15
16	16
17	17
18	18
19	19
20	20
21	21
22	22
23	23
24	24
25	25
26	26
27	27
28	28
29	29
30	30

مكتبة جامعة الملك سعود قسم المخطوطات
 5287 و 5288
 الفهرست: مجمع شمس على كسب الملا في صدي
 الفهرست: مجمع شمس على كسب الملا في صدي
 تاريخ النسخ: 5287 و 5288
 اسم الناسخ: 5287 و 5288
 عدد الأوراق: 36
 ملاحظات: 5287 و 5288

59
 تدليبا في البراءة والحساب

[illegible]

إسلامية

[illegible]

أولهم المذمومون في الدنيا والآخرة. وهم الذين هموا في الدنيا بالظالمين والظالمين في الآخرة. وهم الذين هموا في الدنيا بالظالمين والظالمين في الآخرة. وهم الذين هموا في الدنيا بالظالمين والظالمين في الآخرة.

[illegible]

٥	١	٢٥	١	زيد
٥	٥	٢٥	١	عمر
٥	٤	١٧	٥٦	جابر

۵۲

[illegible]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

منافع الحصى

[illegible][illegible]

			زید
			ح
			بک

[illegible][illegible][illegible][illegible][illegible]

١٠
 ١١
 ١٢
 ١٣
 ١٤
 ١٥
 ١٦
 ١٧
 ١٨
 ١٩
 ٢٠
 ٢١
 ٢٢
 ٢٣
 ٢٤
 ٢٥
 ٢٦
 ٢٧
 ٢٨
 ٢٩
 ٣٠
 ٣١
 ٣٢
 ٣٣
 ٣٤
 ٣٥
 ٣٦
 ٣٧
 ٣٨
 ٣٩
 ٤٠
 ٤١
 ٤٢
 ٤٣
 ٤٤
 ٤٥
 ٤٦
 ٤٧
 ٤٨
 ٤٩
 ٥٠
 ٥١
 ٥٢
 ٥٣
 ٥٤
 ٥٥
 ٥٦
 ٥٧
 ٥٨
 ٥٩
 ٦٠
 ٦١
 ٦٢
 ٦٣
 ٦٤
 ٦٥
 ٦٦
 ٦٧
 ٦٨
 ٦٩
 ٧٠
 ٧١
 ٧٢
 ٧٣
 ٧٤
 ٧٥
 ٧٦
 ٧٧
 ٧٨
 ٧٩
 ٨٠
 ٨١
 ٨٢
 ٨٣
 ٨٤
 ٨٥
 ٨٦
 ٨٧
 ٨٨
 ٨٩
 ٩٠
 ٩١
 ٩٢
 ٩٣
 ٩٤
 ٩٥
 ٩٦
 ٩٧
 ٩٨
 ٩٩
 ١٠٠

[illegible]

[illegible]

فما من خير اسماء الله عنه كائن
او من ذكره وسماه
او ادا رقت من خلقه
من تاسر اسماء الله او تسمى

الجبل من قدام
 برامه دانه
 قضاة العر
 حور عن
 قضاة العر
 قضاة العر
 قضاة العر
 قضاة العر
 قضاة العر
 قضاة العر

۱۰۰

1

واحد

[illegible]

1	اما
3	بنما
2	ابا

۵	۳	۰	۶
۱	۲	۰	۷
۱	۴	۰	۸
۱	۵	۰	۹
۰	۱	۰	۰

مفرده ۱۰۰ و ۱۰۰ و ۱۰۰
۱۰۰ و ۱۰۰ و ۱۰۰
۱۰۰ و ۱۰۰ و ۱۰۰

الحار صبرا
لحش شفة

[illegible]

ثم قالوا يا رسول الله انما نرى
الملكوت من غير ان نرى الله
فان الله لا يبدل الا ما يشاء
والله عليم الغيوب

[illegible]

اپی

[illegible][illegible][illegible]

[illegible]

فمنه في خط القاسية مع
القاسية الخرج مع القاسية
والقاسية الخرج مع القاسية

کتابیں

والضعيف

[illegible]

١٠
 من طبع في المطبعه
 في سنة ١٢٨٥
 في شهر ربيع الثاني
 في مدينة القاهرة
 في دار المطبعه
 في شارع
 في
 في

الملك الناصر محمد بن قلاوون

[illegible]

7	2	1	151
4	1	1	131

[illegible][illegible]

2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

و بعد ختم بهر پنجون بحسب اقسام
و لا بد از این و البتة از وجوب و رزق و ادب و اطاعت

Handwritten signature or mark.

الخشب القوي والنعيم واليا من خشب الخشب
 وازاد حلقه حجارة ترسوع بعض
 العترة جميع البراث او حقه
 او انشقاق من حلة البراث ادر حقه
 والصلح امان البلاء من اهل اوطان
 البراث وطينه شين جميع حقه
 وصعدوا افرلا للغة السافرة
 ابريدش اطر حقه ادر اطر حقه
 الخبا وحقة ميسيع ادر حقه
 به وانقله

أول ما ينبغي أن نلاحظه في هذا المقام هو أن...

هذا هو المقام...

في هذا المقام...

هذا هو المقام...

هذا هو المقام...

هذا هو المقام...

هذا هو المقام...

هذا هو المقام...

[illegible]

زوجه	زوجه
مستور	مستور
مستور	مستور

جبرتي
زوجه 3
احضوانه

القول

[illegible]

۷	۱	ازب
۸	۲	نی

04	4	روجا
12	3	نیکی

۱	۲	۳
۴	۵	۶
۷	۸	۹

[illegible]

السفر الثاني

۵۳۴	۵۳۵	۵۳۶	۵۳۷	۵۳۸	۵۳۹	۵۴۰	۵۴۱	۵۴۲	۵۴۳	۵۴۴	۵۴۵	۵۴۶	۵۴۷	۵۴۸	۵۴۹	۵۵۰	۵۵۱	۵۵۲	۵۵۳	۵۵۴	۵۵۵	۵۵۶	۵۵۷	۵۵۸	۵۵۹	۵۶۰	۵۶۱	۵۶۲	۵۶۳	۵۶۴	۵۶۵	۵۶۶	۵۶۷	۵۶۸	۵۶۹	۵۷۰	۵۷۱	۵۷۲	۵۷۳	۵۷۴	۵۷۵	۵۷۶	۵۷۷	۵۷۸	۵۷۹	۵۸۰	۵۸۱	۵۸۲	۵۸۳	۵۸۴	۵۸۵	۵۸۶	۵۸۷	۵۸۸	۵۸۹	۵۹۰	۵۹۱	۵۹۲	۵۹۳	۵۹۴	۵۹۵	۵۹۶	۵۹۷	۵۹۸	۵۹۹	۶۰۰	۶۰۱	۶۰۲	۶۰۳	۶۰۴	۶۰۵	۶۰۶	۶۰۷	۶۰۸	۶۰۹	۶۱۰	۶۱۱	۶۱۲	۶۱۳	۶۱۴	۶۱۵	۶۱۶	۶۱۷	۶۱۸	۶۱۹	۶۲۰	۶۲۱	۶۲۲	۶۲۳	۶۲۴	۶۲۵	۶۲۶	۶۲۷	۶۲۸	۶۲۹	۶۳۰	۶۳۱	۶۳۲	۶۳۳	۶۳۴	۶۳۵	۶۳۶	۶۳۷	۶۳۸	۶۳۹	۶۴۰	۶۴۱	۶۴۲	۶۴۳	۶۴۴	۶۴۵	۶۴۶	۶۴۷	۶۴۸	۶۴۹	۶۵۰	۶۵۱	۶۵۲	۶۵۳	۶۵۴	۶۵۵	۶۵۶	۶۵۷	۶۵۸	۶۵۹	۶۶۰	۶۶۱	۶۶۲	۶۶۳	۶۶۴	۶۶۵	۶۶۶	۶۶۷	۶۶۸	۶۶۹	۶۷۰	۶۷۱	۶۷۲	۶۷۳	۶۷۴	۶۷۵	۶۷۶	۶۷۷	۶۷۸	۶۷۹	۶۸۰	۶۸۱	۶۸۲	۶۸۳	۶۸۴	۶۸۵	۶۸۶	۶۸۷	۶۸۸	۶۸۹	۶۹۰	۶۹۱	۶۹۲	۶۹۳	۶۹۴	۶۹۵	۶۹۶	۶۹۷	۶۹۸	۶۹۹	۷۰۰	۷۰۱	۷۰۲	۷۰۳	۷۰۴	۷۰۵	۷۰۶	۷۰۷	۷۰۸	۷۰۹	۷۱۰	۷۱۱	۷۱۲	۷۱۳	۷۱۴	۷۱۵	۷۱۶	۷۱۷	۷۱۸	۷۱۹	۷۲۰	۷۲۱	۷۲۲	۷۲۳	۷۲۴	۷۲۵	۷۲۶	۷۲۷	۷۲۸	۷۲۹	۷۳۰	۷۳۱	۷۳۲	۷۳۳	۷۳۴	۷۳۵	۷۳۶	۷۳۷	۷۳۸	۷۳۹	۷۴۰	۷۴۱	۷۴۲	۷۴۳	۷۴۴	۷۴۵	۷۴۶	۷۴۷	۷۴۸	۷۴۹	۷۵۰	۷۵۱	۷۵۲	۷۵۳	۷۵۴	۷۵۵	۷۵۶	۷۵۷	۷۵۸	۷۵۹	۷۶۰	۷۶۱	۷۶۲	۷۶۳	۷۶۴	۷۶۵	۷۶۶	۷۶۷	۷۶۸	۷۶۹	۷۷۰	۷۷۱	۷۷۲	۷۷۳	۷۷۴	۷۷۵	۷۷۶	۷۷۷	۷۷۸	۷۷۹	۷۸۰	۷۸۱	۷۸۲	۷۸۳	۷۸۴	۷۸۵	۷۸۶	۷۸۷	۷۸۸	۷۸۹	۷۹۰	۷۹۱	۷۹۲	۷۹۳	۷۹۴	۷۹۵	۷۹۶	۷۹۷	۷۹۸	۷۹۹	۸۰۰	۸۰۱	۸۰۲	۸۰۳	۸۰۴	۸۰۵	۸۰۶	۸۰۷	۸۰۸	۸۰۹	۸۱۰	۸۱۱	۸۱۲	۸۱۳	۸۱۴	۸۱۵	۸۱۶	۸۱۷	۸۱۸	۸۱۹	۸۲۰	۸۲۱	۸۲۲	۸۲۳	۸۲۴	۸۲۵	۸۲۶	۸۲۷	۸۲۸	۸۲۹	۸۳۰	۸۳۱	۸۳۲	۸۳۳	۸۳۴	۸۳۵	۸۳۶	۸۳۷	۸۳۸	۸۳۹	۸۴۰	۸۴۱	۸۴۲	۸۴۳	۸۴۴	۸۴۵	۸۴۶	۸۴۷	۸۴۸	۸۴۹	۸۵۰	۸۵۱	۸۵۲	۸۵۳	۸۵۴	۸۵۵	۸۵۶	۸۵۷	۸۵۸	۸۵۹	۸۶۰	۸۶۱	۸۶۲	۸۶۳	۸۶۴	۸۶۵	۸۶۶	۸۶۷	۸۶۸	۸۶۹	۸۷۰	۸۷۱	۸۷۲	۸۷۳	۸۷۴	۸۷۵	۸۷۶	۸۷۷	۸۷۸	۸۷۹	۸۸۰	۸۸۱	۸۸۲	۸۸۳	۸۸۴	۸۸۵	۸۸۶	۸۸۷	۸۸۸	۸۸۹	۸۹۰	۸۹۱	۸۹۲	۸۹۳	۸۹۴	۸۹۵	۸۹۶	۸۹۷	۸۹۸	۸۹۹	۹۰۰	۹۰۱	۹۰۲	۹۰۳	۹۰۴	۹۰۵	۹۰۶	۹۰۷	۹۰۸	۹۰۹	۹۱۰	۹۱۱	۹۱۲	۹۱۳	۹۱۴	۹۱۵	۹۱۶	۹۱۷	۹۱۸	۹۱۹	۹۲۰	۹۲۱	۹۲۲	۹۲۳	۹۲۴	۹۲۵	۹۲۶	۹۲۷	۹۲۸	۹۲۹	۹۳۰	۹۳۱	۹۳۲	۹۳۳	۹۳۴	۹۳۵	۹۳۶	۹۳۷	۹۳۸	۹۳۹	۹۴۰	۹۴۱	۹۴۲	۹۴۳	۹۴۴	۹۴۵	۹۴۶	۹۴۷	۹۴۸	۹۴۹	۹۵۰	۹۵۱	۹۵۲	۹۵۳	۹۵۴	۹۵۵	۹۵۶	۹۵۷	۹۵۸	۹۵۹	۹۶۰	۹۶۱	۹۶۲	۹۶۳	۹۶۴	۹۶۵	۹۶۶	۹۶۷	۹۶۸	۹۶۹	۹۷۰	۹۷۱	۹۷۲	۹۷۳	۹۷۴	۹۷۵	۹۷۶	۹۷۷	۹۷۸	۹۷۹	۹۸۰	۹۸۱	۹۸۲	۹۸۳	۹۸۴	۹۸۵	۹۸۶	۹۸۷	۹۸۸	۹۸۹	۹۹۰	۹۹۱	۹۹۲	۹۹۳	۹۹۴	۹۹۵	۹۹۶	۹۹۷	۹۹۸	۹۹۹	۱۰۰۰
-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------

14

[illegible]

2	3	3
9	1	2
0	0	3
10	0	2

١	٢	٣	٤	٥	٦	٧	٨	٩	١٠
١١	١٢	١٣	١٤	١٥	١٦	١٧	١٨	١٩	٢٠
٢١	٢٢	٢٣	٢٤	٢٥	٢٦	٢٧	٢٨	٢٩	٣٠

۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	۳۱	۳۲	۳۳	۳۴	۳۵	۳۶	۳۷	۳۸	۳۹	۴۰	۴۱	۴۲	۴۳	۴۴	۴۵	۴۶	۴۷	۴۸	۴۹	۵۰	۵۱	۵۲	۵۳	۵۴	۵۵	۵۶	۵۷	۵۸	۵۹	۶۰	۶۱	۶۲	۶۳	۶۴	۶۵	۶۶	۶۷	۶۸	۶۹	۷۰	۷۱	۷۲	۷۳	۷۴	۷۵	۷۶	۷۷	۷۸	۷۹	۸۰	۸۱	۸۲	۸۳	۸۴	۸۵	۸۶	۸۷	۸۸	۸۹	۹۰	۹۱	۹۲	۹۳	۹۴	۹۵	۹۶	۹۷	۹۸	۹۹	۱۰۰
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

3	0	1	ألف
2	1	1	ب
2	1	0	ج

المشار

[illegible]

18	7	3	زوجا
15	1	7	اشفا

3	2	2	
3		1	أينما
2	1	1	أجا
1	1		ألم العفره

[illegible]

و اما هذا
مفاتيح
واما
مسئلة المازار
ارزاقه و مسئلة
بوده ايشان

2		
عم		

[illegible]

هذا
مفرد
الفر

ز	و	ط
ا	ق	ا
ب		

[illegible]

1751

		١	٢	٣	٤
عز	عل				
انفاة	نا				
انفاة					
افاج					
(النه حمام)	بند	①			

[illegible]

	ع	زجا
	ص	ا
• •	ح	طاب
• •	ن	اقاب
	و	الوزج
• •	ياجي	شاه اند

[illegible]

م	ا	ط
2	ا	ط
2		ط
3	بافت	
1	ا	ا

[illegible]

[illegible]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

[illegible][illegible]

وہاں

22	15	3	2	0	زخم
13	04	12			قفا
				3	افا
06	03				زفا
11	09				اففا
12	01	1			حرف

[illegible]

[illegible][illegible][illegible][illegible][illegible]

في المنطقة الجبلية

[illegible]

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

ابنه وان ابويه سانية فمشم ولهم الحوزة سنة مئة اربعة هكذا
 واثبات هذه التفرع ارا حوضها وهو هنك وان هو الاثنان
 عللا منهم مال الشان وما الشان من جهة مالير ولا يحسن واجعله
 على علم الزاكنش وسع مال كان ما اضعف من اذلة وحس
 اعلم ان مال كان على احوال اذلة وانما الشان او علم من بعد من هذا الكبير اولانا
 الذي هو المورثة على هذه الفسلة في تفرع هذا المول او تفرع ما به بعض العيب فيجب ما به عليه من الدين يكون ما يقاس اضعف مال العمل
 الشان في الشان الى ما به اضعف مال كان في هذا العيب هو وارث في طلة العيب في المورثة المول انه يشفق المورثة بالان يستوفى

[illegible]

					روجا
					اما
					فشا
					اخوان
					فوا اما

[illegible][illegible][illegible][illegible]

					زوما	03	5
0	0	04	08		اما	02	
0	0	30	60		بشا	06	
0	0	04	01		اغاد	01	
0	0	06	03	11			

[illegible]

جتر او قبل او نخی او نه باشر لاعتب خمسه روز
 ادر او که جنسنا انعام ادر نه مذی منی نه نلانی حکم
 لایست به علمت لای انعام و نه ذی انعام و نه حکم
 لما یکنی بهیج ففی فیه و ذی انعام حکم یکنی سنه
 و لیکن سنه غیر و بر و نه لم یکنی سنه فلان سنه